संख्या: 23 / 2022/342/तीस-1-2022-5(1)/17

प्रेषक,

डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्रा,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

परिवहन आयुक्त,
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

परिवहन अनुभाग-1 लखनऊ : दिनांक: 13 सितम्बर, 2022

विषय: जनपद-गोरखपुर में डिपो कार्यशाला, गोरखपुर के निर्माण कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, लखनऊ के पत्र संख्या-605बी/डीए/पूर्व/22-74जेईटी/वि0/17-18, दिनांक 13.06.2022 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-33/2017/1174(2)/तीस-1-2017-5(1)/2017, दिनांक 22.12.2017 द्वारा जनपद-गोरखपुर में डिपो कार्यशाला, गोरखपुर के निर्माण हेतु आंकलित लागत रू0 464.79 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वित्तीय वर्ष 2017-18 में कतिपय शर्तों के अधीन प्रथम किश्त के रूप में रू0 230.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी। उक्त के पश्चात शासनादेश संख्या-04/2019/164/तीस-1-2019-5(1)/2017, दिनांक 07.03.2019 द्वारा द्वितीय/अन्तिम किश्त के रूप में रू0 234.79 लाख की धनराशि वित्तीय वर्ष 2018-19 में अवमुक्त की गयी । तत्पश्चात शासनादेश संख्या- 15/2020/360/तीस-1-2020-5(1)/2017, दिनांक 09.10.2020 द्वारा पुनरीक्षित लागत रू0 720.99 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत करते हुए तृतीय किश्त के रूप में रू0 100.00 लाख एवं शासनादेश संख्या-8/2022/23/तीस-1-2022-5(1)/2017, दिनांक 10.01.2022 द्वारा चतुर्थ किश्त के रूप धनराशि रू0 50.00 लाख अवमुक्त की गयी थी। इस प्रकार प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अब तक कुल रू0 614.79 लाख (रूपये छः करोड़ चौदह लाख उनासी हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु अवमुक्त की जा चुकी है । डिपो कार्यशाला, गोरखपुर के निर्माण कार्य हेतु उ0प्र0 विधायन एवं निर्माण सहाकारी संघ लि0 (पैकफेड) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है ।

2- प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम के उक्त संदर्भित पत्र दिनांक 13.07.2022 के संदर्भ में डिपो कार्यशाला, गोरखपुर के निर्माण हेतु निर्गत पुनरीक्षित वित्तीय स्वीकृति रू0 720.99 लाख के सापेक्ष सम्यक विचारोंपरान्त चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में व्यय हेतु पंचम/अन्तिम किश्त के रूप में रू0 106.20 लाख (रू0 एक करोड़ छः लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तो के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जाएगा।
(2) प्रश्नगत स्वीकृति जिस कार्य/मद के लिए है उसी कार्य/मद पर व्यय प्रत्येक दशा में किया जाएगा।
(3) परिवहन निगम द्वारा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/2022/ बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक 07 जून, 2022 एवं तदनुवर्ती शासनादेशों में वित्तीय स्वीकृतियों निर्गत किये जाने के संबंध में दिये गये दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
(4) कार्यो की द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो इसे भी परिवहन निगम द्वारा अपने स्तर से सुनिश्चित किया जायेगा।
(5) परिवहन निगम द्वारा योजना की गाइडलाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
(6) धनराशि का आहरण राजकोष से तात्कालिक आवश्यकता होने पर ही किया जाएगा और धनराशि आहरित करके अनावश्यक रूप से धनराशि बैंक/डाकघर में नहीं रखी जायेगी।
(7) मात्राओं को निर्माण के समय सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण उत्तरदायित्व कार्यदायी संस्था/ परिवहन निगम को होगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।

(8) प्रश्नगत निर्माण कार्य में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन जैसे-नये कार्य बढ़ाना, कार्यो के आकार में वृद्धि एवं अन्य उच्च विशिष्टियॉ इस्तेमाल करना इत्यादि, सक्षम स्तर का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त किये बिना नहीं किया जायेगा।

(9) कार्यदायी संस्था द्वारा निर्धारित समय में तथा उत्कृष्ट श्रेणी की गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने तथा कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किसी भी दशा में कार्यो की लागत में कोई पुनरीक्षत न किये जाने के संबंध में अनुबन्ध अनिवार्य रूप से निष्पादित करा लिया जाय।

(10) स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का मासिक विवरण प्रपत्र बी0एम0-13 में प्रतिमाह वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-9 एवं परिवहन अनुभाग-1/3, उत्तर प्रदेश शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(11) निर्माण के समय कार्य की विशिष्टियां, मानक, गुणवत्ता एवं समयबद्धता अवश्य सुनिश्चित किये जाने का दायित्व कार्यदायी संस्था तथा उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम का होगा ।

(12) उक्त धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त किया जायेगा ।

(13) अन्य समस्त शर्ते पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या- 33/2017/1174(2)/तीस-1-2017-5(1)/2017, दिनांक 22.12.2017, शासनादेश संख्या-04/2019/164/तीस-1-2019-5(1)/2017, दिनांक 07.03.2019, शासनादेश संख्या- 15/2020/360/तीस-1-2020-5(1)/2017, दिनांक 09.10.2020 एवं शासनादेश संख्या-8/2022/23/तीस-1-2022-5(1)/2017, दिनांक 10.01.2022 के अनुरूप यथावत रहेंगी ।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2022-23 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-43 के लेखाशीर्ष 5055-सड़क परिवहन पर पूंजीगत परिव्यय 190-सार्वजनिक क्षेत्र के तथा अन्य उपक्रमों में निवेश-03-उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में अंशपूंजी विनियोजन-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जाएगा ।

4- यह आदेश वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-9 के अशासकीय संख्या-E-9-58-X-2022-23, दिनांक 09 सितम्बर, 2022 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

ह0

डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्रा
विशेष सचिव।

संख्या: 23 /2022/342(1)/तीस-1-2022-5(1)17, तद्दिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 प्रयागराज ।
3. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम, लखनऊ।
4. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ ।
5. निदेशक, उ0प्र0 विधायन एवं निर्माण सहाकारी संघ लि0 (पैकफेड) लखनऊ ।
6. वित्त नियन्त्रक, परिवहन आयुक्त, कार्यालय लखनऊ ।
7. वित्त नियन्त्रक, उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम, लखनऊ ।
8. वित्त नियन्त्रक, उ0प्र0 विधायन एवं निर्माण सहाकारी संघ लि0 (पैकफेड) लखनऊ ।
9. नियोजन अनुभाग-4 ।
10. वित्त (व्यय-नियन्त्रण) अनुभाग-9/परिवहन अनुभाग-3 ।
11. नोडल अधिकारी (बजट आवंटन)/अनु सचिव, परिवहन अनुभाग-3, उ0प्र0 शासन ।
12. निदेशक, वित्तीय एवं सांख्यकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ ।
13. गाई फाइल ।

आज्ञा से,

ह0

डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्रा
विशेष सचिव ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।